Title : Need to address the grievances of employees of Air India.

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): मैडम, मैं अपने देश के नेशनल फ्लैग कैरियर एयर इंडिया के 31 हजार कर्मचारियों का दर्द लेकर खड़ा हुआ हूं जिसमें से चार-पांच हजार कर्मचारी मेरे चुनाव क्षेत्र में रहते हैं। हम सबको मालूम है कि एयर इंडिया एक संकट के दौर से गुजर रहा है। कैसे संकट हुआ, क्यों आया, यह एक दूसरा विÂाय है, लेकिन बहुत दुख की बात है कि पिछले कई दिनों से उन्हें पिछले महीने का वेतन नहीं मिला है। वेतन की मांग को लेकर, अन्य बातों को लेकर एयर इंडिया के कर्मचारी हड़ताल पर जाना चाहते हैं, अपनी बातें सार्वजनिक रूप से लाना चाहते हैं। लकिन दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि एयर इंडिया की मैनेजमैंट ने पिछले दिनों एक GAG आर्डर ईशू किया है और तमाम ट्रेड यूनियन एक्टीविटीज़ में शामिल कर्मचारियों को कहा गया है कि वे इस प्रकार की कोई बात सार्वजनिक रूप से नहीं कहेंगे। मैं चाहता हूं कि गैग आर्डर पढ़कर सुनाऊं and I quote ....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप पढ़कर मत सुनाइए, आप बोलिए।

श्री संजय निरुपम : ठीक है।

गैग आर्डर के बाद कर्मचारियों के खिलाफ इस प्रकार का स्टैंड लिया गया है कि अगर उन्होंने बाहर एयर इंडिया मैनेजमैंट के खिलाफ या एयर इंडिया के दुख-दर्द के बारे में कुछ कहा, तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी, डिस्पिलनरी एक्शन होगा।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि यह बहुत ही जनतंत्र विरोधी किस्म का आर्डर है। ट्रेड यूनियन के तहत जो ट्रेड यूनियन एक्टीविस्ट्स होते हैं, उन्हें इस प्रकार की अनुमति होती है। हमारा कहना है कि इस अनुमति को छीना गया है, इसलिए उस गैग आर्डर को वापस लेना चाहिए। इस अनइथिकल गैग आर्डर को वापस लेना चाहिए, क्योंकि कहीं न कहीं यह कानून के खिलाफ है। मैं जानता हूं कि एयर इंडिया को रास्ते पर लाने के लिए, सुधारने के लिए प्रधान मंत्री कार्यालय की तरफ से प्रयास चल रहा है, लेकिन जिन मुख्य मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए, जिनका रास्ता ढूंढ़ना चाहिए, सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि पिछले एक-दो वर्ष में लगभग 67 हजार करोड़ रुपये का एयरक्राफ्ट खरीदा गया। एयर इंडिया की तरफ से उसके लिए छः हजार करोड़ रुपये के आसपास ईएमआई दी जा रही है। पिछले कई वर्षों से मांग थी कि फ्लीट साइज बढ़नी चाहिए, लेकिन जब फ्लीट साइज बढ़ रही है तब बिल्कुल उसी समय बायलेटरल के जरिये पिछले चार-पांच वर्षों में लगभग 12 लाख सीट्स हमने फॉरेन एयर लाइंस और प्राइवेट एयर लाइंस को दे दी है । एयर इंडिया के जो ल्यूक्रेटिव रुट्स थे, वे सारे रुट्स हम धीरे-धीरे दूसरों के हवाले करते जा रहे हैं। ऐसे समय में इतना सारा एयरक्राफ्ट एक्वीजिशन का मतलब क्या है? दूसरा, बायलेटरल पॉलिसी कहीं न कहीं रिव्यू होनी चाहिए, ताकि एयर इंडिया जो प्रॉफिट मेकिंग कम्पनी थी। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपका समय समाप्त हो गया है इसलिए कृपया आप अपना भाषण खत्म कीजिए।

श्री संजय निरुपम : मैडम, मुझे यह कहना है कि एयर इंडिया जो एक प्रॉफिट मेकिंग कम्पनी थी, उसके प्रॉफिट अचानक खत्म हो गये हैं और वह लगभग छः-सात हजार करोड़ रुपये के लॉस में चल रही है। हमारी मांग है कि एयर इंडिया को लॉस से उबारने और कर्मचारियों के जीवन को ठीक रखने, सुरक्षित रखने के लिए प्रधान मंत्री कार्यालय की तरफ से जो कार्रवाई हो रही है, उसमें थोड़ी सी तेजी बरती जाये। यह अच्छी बात है कि एक नया बोर्ड बन रहा है, जिसमें सैम पिटरोडा और रतन टाटा जैसे बड़े जानकार आ रहे हैं। हमारी मांग है कि एयर इंडिया को सुधारने की दिशा में सरकार की तरफ से जल्द से जल्द प्रयत्न हो। यह गैग आर्डर वापस लिया जाये और कर्मचारियों को तत्काल वेतन दिया जाये, यही मेरी मांग है।

*m02

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam Speaker, may I also associate my feeling with the matter raised by Shri Sanjay Nirupam? That may kindly be recorded.

MADAM SPEAKER: Yes.

श्री जगदीश शर्मा (जहानाबाद): अध्यक्ष महोदया, मैंने सूखे के बारे में बोलने के लिए नोटिस दिया है। आपका जिला भी उसमें है। पूरा बिहार सूखाग्रस्त है। ...(व्यवधान)